

# वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन रिपोर्ट: हमने क्या सीखा



# प्रस्तावना

हर वर्ष, दुनिया भर में 2.1 मिलियन से अधिक लोगों का स्तन कैंसर से निदान किया जाता है।<sup>1</sup>

स्तन कैंसर के साथ जीवन बिताने का मतलब है कई प्रकार की भावनाओं को महसूस करना -- डर, दर्द, साहस और शक्ति। ठीक वैसे ही जैसे स्तन कैंसर के साथ जीने वाला हर व्यक्ति अलग होता है, स्तन कैंसर की देखभाल की पेचीदा चुनौतियों का सामना करने का तरीका भी एक

ही नहीं होता है। स्तन कैंसर के प्रबंधन में कई तरह की प्रगतियाँ हुई हैं, लेकिन हम जानते हैं कि विज्ञान में होने वाला नवाचार देखभाल, उपयोगी जानकारी और आवश्यक समर्थन को सुलभ कराने का काम नहीं करता है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए, अक्टूबर 2020 में चार दिनों की अवधि में, 20 से अधिक देशों के 30 बहुविषयी स्तन कैंसर के हिमायतियों ने पहले वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन में आभासी रूप से भाग लिया। हम सब ने मिलकर चुनौतियों को संबोधित करने और रोगियों का समर्थन करने के लिए बदलाव का निर्माण करने के लिए स्तन कैंसर के हिमायती समुदाय को लगातार मजबूत और सशक्त बनाने के लिए अंतर्दृष्टियों और विचारों का आदान-प्रदान किया।

हमने चार क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने का फैसला किया जहाँ हमारे खयाल से हम उल्लेखनीय प्रभाव पैदा कर सकते हैं। **अनुसंधान, नीति की हिमायत, रोगी सहायता कार्यक्रम और COVID-19।**

हमने निम्नलिखित के बारे में बातचीत की: नैदानिक अध्ययनों के विकास में रोगियों की आवाज़ को शामिल करना; नीति संबंधी फैसलों में रोगियों को संलग्न करने का समर्थन करना; संवाद-संपर्क में सुधार करना और उपचार संबंधी फैसलों और प्रबंधन में रोगियों को सशक्त बनाना; हमेशा रोगियों को ध्यान में रखते हुए जानकारी प्रदान करना, बातचीत को प्रेरित करना और समाधान खोजना; तथा वैश्विक महामारी के दौरान और भविष्य में रोगियों का समर्थन करने के अवसरों की पहचान करना।

शिखर सम्मेलन और उसके निष्कर्ष **वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन नियोजन समिति** - बेर्था ऐग्विलार, क्लॉडिया आल्टमैन-पॉस्पिसचेक, काँची बिपुररन, रेनेट हैडिंगर, रंजीत कौर प्रीतम सिंह, स्टेसी लेविस, शर्ले मेट्टेज़ और कैथरीन उबाएसी - के अमित मार्गदर्शन, निर्देशन और समर्थन के बिना संभव नहीं हो सकते थे।

साथ मिलकर, हम सब अतीत के अनुभवों का लाभ उठाने, एक दूसरे से सीखने, नवाचार करने और सारी दुनिया में स्तन कैंसर के साथ जीवन बिता रहे लोगों की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने-आपको ढालने का हर प्रयास करेंगे।

*नियोजन समिति से मिलने के लिए कृपया अंतिम पृष्ठ देखें।*

**आज स्तन कैंसर के साथ  
जीवन बिता रहे हर व्यक्ति  
की अनूठी जरूरतों को  
पूरा करने के लिए**

**हमें नवाचार करना चाहिए और  
अपने आपको ढालना चाहिए।**

1. विश्व स्वास्थ्य संगठन स्तन कैंसर तथ्य पत्रक। <https://gco.iarc.fr/today/data/factsheets/cancers/20-Breast-fact-sheet.pdf>. 22 मार्च 2021 को एक्सेस किया गया।

# विशेष सारांश

वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन ने स्तन कैंसर पर चर्चा करने और उससे संबंधित मुख्य वरीयताओं का समाधान करने के लिए सारी दुनिया के स्तन कैंसर रोगी समर्थकों की आभासी रूप से सभा आयोजित की। फ़ाइज़र ने सारी दुनिया के नौ हिमायती नेताओं की एक नियोजन समिति का सहयोग लेकर काम किया जिन्होंने शिखर सम्मेलन के लक्ष्यों, एजेंडा और सामग्री के बारे में जानकारी प्रदान की, और बैठक के विभिन्न हिस्सों का नेतृत्व किया।

यह रिपोर्ट चार मुख्य क्षेत्रों के संबंध में शिखर सम्मेलन के दौरान चर्चित मुख्य चुनौतियों और समाधानों का विवरण प्रदान करती है।

अनुसंधान

नीति की  
हिमायत

रोगी  
सहायता

COVID-19 और  
स्तन कैंसर

समूह ने लगभग 150 संभावित समाधानों की एक सूची प्रस्तावित की, जिन्हें संयोजित करके स्तन कैंसर की देखभाल को बेहतर बनाने के 81 तरीकों की एक अंतिम सूची तैयार की गई। हमें आशा है कि ये समाधान फ़ाइज़र को वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर काम करने तथा वैश्विक स्तन कैंसर समुदाय को चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का काम करेंगे।



# चर्चा का सारांश

## अनुसंधान

वैश्विक अनुसंधान समुदाय स्तन कैंसर के साथ जीवन बिताने वाले स्त्री-पुरुषों के लिए स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान का उपयोग करने के लिए हर दिन काम करता है। फ़ाइज़र में काम करने वालों सहित, कई कैंसर अनुसंधानकर्ताओं के लिए, कैंसर का व्यक्तिगत महत्व है। कैंसर अनुसंधान में किया जा रहा काम इस रोग का सामना करने वाले लाखों-करोड़ों लोगों से प्रेरित है। लेकिन रोगियों को अनुसंधान की प्रगतियों को प्रेरित ही नहीं करना चाहिए, बल्कि उनका मुख्य भाग भी बनना चाहिए। रोगियों को उनके अनुभव और निष्कर्षों को बेहतर बनाने के फैसले लेने और समाधानों का निर्माण करने में अपनी बात कहने का अवसर मिलना चाहिए।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि फ़ाइज़र रोगियों पर केंद्रित नैदानिक परीक्षणों को कार्यान्वयित करने के लिए वास्तविक और असरदार कदम उठाए, वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने कई मुद्दों और कार्यवाही-योग्य समाधानों पर चर्चा की।

**ज्ञान में अंतर और गलत धारणाएं:** रोगी नैदानिक परीक्षणों के बारे में किस तरह से जानकारी प्राप्त करते हैं इसमें काफी सुधार करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, कई रोगी नहीं जानते कि नैदानिक परीक्षण क्या हैं और क्या वे उनके लिए विकल्प हैं। कुछ लोगों को इस बारे में अनिश्चितता को लेकर चिंता हो सकती है कि नैदानिक परीक्षण किस तरह से स्वयं उनके और उनके परिवार के लिए अतिरिक्त तनाव का निर्माण कर सकते हैं। अन्य लोग महसूस कर सकते हैं कि नैदानिक परीक्षण उन लोगों के लिए अंतिम प्रयास का काम करते हैं जिनके लिए अन्य सभी व्यवहार्य उपचार विकल्प बेकार साबित हो चुके हैं। इसके अलावा, जो रोगी नैदानिक परीक्षणों में दिलचस्पी रखते हैं उन्हें अक्सर उन्हें जानकारी देने वाली सामग्री में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों को समझने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। **समूह ने शिक्षा को बेहतर बनाने और इन गलत धारणाओं को संबोधित करने के कई विचारों पर चर्चा की:**

- सूचित सहमति दस्तावेज़ों को समझने में अधिक आसान बनाने के लिए संशोधित करने सहित, नैदानिक परीक्षणों का वर्णन करने वाली सामग्री को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराना;
- नैदानिक परीक्षणों के बारे में शिक्षित करने और गलत धारणाओं को रोकने के लिए रोगियों की प्रतिक्रिया का उपयोग करना;
- नैदानिक परीक्षणों के बारे में शिक्षित और सूचित करने के लिए डिजिटल मंचों (जैसे, सोशल मीडिया, टीवी, रेडियो) का उपयोग करना; और
- रोगी हिमायत समूहों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को प्रशिक्षित करना कि नैदानिक परीक्षणों के बारे में रोगियों के साथ कैसे कारगर तरीके से संपर्क करना चाहिए, जिसमें परीक्षण के पहले और बाद नैदानिक परीक्षण नामांकन प्रक्रिया को समझाना शामिल है।

“

**हमें सिर्फ उन लोगों से अधिक लोगों तक पहुँचना चाहिए**

जो नैदानिक परीक्षणों में जुटे हैं और इसमें हिमायतियों तथा औषधि-निर्माण कंपनियों और स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवरों द्वारा रेफर किए गए रोगियों को शामिल करना चाहिए।”

— कैथरीन उबाएसी  
*Patients en Réseau*

“

**यह पूछना महत्वपूर्ण है कि नैदानिक परीक्षणों के बारे में**

गलत धारणाओं और गलत अनुभूतियों को संबोधित करने के लिए हम प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।”

— स्टेसी लेविस  
*यंग सर्वाइवल कोएल्लिशन*

**सीमित विविधता:** नैदानिक अध्ययनों में विविधतापूर्ण आबादियों के समावेश को बढ़ाने से विभिन्न आबादियों में दवाईयाँ कैसे काम करती हैं इस बारे में ज्ञान विस्तृत हो सकता है। हालांकि, नैदानिक परीक्षण अक्सर उन आबादियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं जिनकी सेवा करना उनका लक्ष्य होता है। कई देशों में, नैदानिक परीक्षणों में भाग लेना केवल उन लोगों के लिए व्यवहार्य है जो प्रमुख कैंसर संस्थानों या अस्पतालों के करीब रहते हैं। इसके अलावा, कई देशों में, कुछ जातीय समूहों और नस्लों को नैदानिक परीक्षणों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। इन अंतरों को पाटने के लिए, समूह ने कई समाधानों पर गहन विचार किया:

- नैदानिक परीक्षणों में सहभागिता के प्रति भौगोलिक बाधाओं को कम करने में मदद करने के लिए मोबाइल केयर यूनिटों और आभासी मुलाकातों के उपयोग का समर्थन करना;
- रोगी सहायता संगठनों के लिए शैक्षणिक बैठकों का आयोजन करना ताकि वे अपने क्षेत्रों में किए जा रहे नैदानिक परीक्षणों के बारे में अधिक जानकारी पा सकें; और
- विविध प्रकार के रोगियों की सहभागिता का समर्थन करने के लिए नैदानिक परीक्षण की पात्रता के मानदंडों को समायोजित करना।

**परीक्षण का डिजायन:** रोगियों को कैंसर के अनुसंधान में अपनी बात रखने का अवसर देने से नैदानिक परीक्षणों के डिजायन में सुधार हो सकते हैं। रोगी कैंसर के अनुसंधान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है और वे फैसले की प्रक्रिया में शामिल होने के हकदार हैं; हालांकि, उन्हें नैदानिक परीक्षण के प्रोटोकॉलों के विकास में दुर्लभ रूप से ही शामिल किया जाता है, जिन्हें अक्सर विनियामक अधिकारियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। जबकि फ़ाइज़र जैसी कई कंपनियों ने नैदानिक परीक्षणों की रचना करते समय रोगियों और हिमायतियों के विचार प्राप्त करने में सुधार किए हैं, इसमें और काम किया जा सकता है। समूह ने जिन विचारों पर गहन चर्चा की उनमें शामिल हैं:

- रोगी हिमायतियों को नैदानिक अनुसंधान डिजायन और प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित करना ताकि उन्हें भविष्य के परीक्षणों की रचना के दौरान सलाहकार की क्षमता में काम करने के लिए जरूरी साधन दिए जा सकें।
- रोगियों द्वारा रिपोर्ट किए गए निष्कर्षों के महत्वपूर्ण नैदानिक परीक्षण अंतर्बिंदुओं के रूप में अधिक उपयोग पर विचार करना।

“

**ऐसे लोग जो उन अल्पसंख्यक समूहों के**

सदस्य हैं जिन्होंने अतीत में चिकित्सा प्रणाली में अविश्वास का अनुभव किया है, रोगियों के रूप में, अक्सर पूछते हैं, “क्या मेरा उपचार निष्पक्ष तरीके से किया जाएगा?” “क्या मेरा सम्मान किया जाएगा?” और “क्या मुझे सुरक्षित अनुभव मिलेगा?”

— शार्ले मर्टेज़

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर अलायंस

“

**यह महत्वपूर्ण है कि नैदानिक परीक्षण रोगियों पर केंद्रित हों,**

यह एक अच्छा आरंभ है। रोगियों और सभी हितधारकों के साथ अधिक चतुर्दिक समेकन और व्यापक रणनीति तथा सहयोग भी होना चाहिए।”

— जैमिल रिवर्स

METAvisor



शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने अनुसंधान के लिए निम्नलिखित कार्यवाही-योग्य समाधानों पर गहन विचार किया:

## अनुसंधान

- > नैदानिक परीक्षणों के बारे में जानकारी देने के लिए सामग्री का निर्माण साधारण भाषा में करना।
- > नैदानिक परीक्षणों के बारे में शिक्षित और सूचित करने के लिए डिजिटल मंचों (जैसे, सोशल मीडिया, टीवी, रेडियो) का उपयोग करना।
- > नैदानिक परीक्षणों के बारे में शिक्षित करने और गलत धारणाओं को रोकने के लिए रोगियों की प्रतिक्रिया का उपयोग करना।
- > नैदानिक परीक्षणों में सहभागिता के प्रति भौगोलिक बाधाओं को कम करने में मदद करने के लिए मोबाइल केयर यूनिटों और आभासी मुलाकातों के उपयोग का समर्थन करना।
- > नैदानिक परीक्षणों में सलाहकारिता की भूमिकाओं का समर्थन करने के लिए रोगियों और हिमायतियों को नैदानिक अनुसंधान के डिजाइन और प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित करना।
- > विविध प्रकार के रोगियों की सहभागिता का समर्थन करने के लिए नैदानिक परीक्षण की पात्रता के मानदंडों को समायोजित करना।
- > रोगियों द्वारा रिपोर्ट किए गए निष्कर्षों के महत्वपूर्ण नैदानिक परीक्षण अंतर्बिंदुओं के रूप में अधिक उपयोग का समर्थन करना।
- > रोगियों को शिक्षित करना कि नैदानिक परीक्षण न केवल मेटास्टैटिक रोग के लिए, बल्कि रोग के सभी चरणों के लिए उपलब्ध हैं।
- > शिक्षित करना कि मौजूदा नैदानिक परीक्षण रजिस्ट्रियों पर जानकारी को कैसे देखा जा सकता है।
- > जब रोगी परीक्षण स्थल से करीब नहीं रहते हैं तब सहभागिता में सहायता करने के लिए आभासी नैदानिक परीक्षण अध्ययन प्रोटोकॉलों की रचना करना।
- > हिमायती समूहों के लिए शैक्षणिक बैठकों का आयोजन करना ताकि वे अपने क्षेत्रों में किए जा रहे नैदानिक परीक्षणों के बारे में जान सकें।
- > एक दूसरे के उपचार लक्ष्यों को बेहतर समझने के लिए डॉक्टरों और रोगियों को दो-तरफा प्रशिक्षण प्रदान करना।
- > रोगी हिमायत समूहों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को इस बारे में प्रशिक्षित करना कि नैदानिक परीक्षणों के बारे में कारगर ढंग से संवाद कैसे करते हैं।
- > नैदानिक अनुसंधान की रचना और प्रक्रिया में रोगियों से जानकारी माँगना।
- > रोगियों और जनता को नैदानिक परीक्षणों के बारे में शिक्षित करने के लिए बहुविषयक समूह बनाना।

# चर्चा का सारांश

## नीति की हिमायत

नीति की हिमायत चुनौतीपूर्ण काम है। हालांकि रोगी समर्थक अपनी आवाज़ के सुने जाने के लिए अथक परिश्रम करते हैं, अधिकांश का कहना है कि सार्वजनिक नीति की रंगभूमि में प्रतिस्पर्धा कर रहे हितों के बीच शोर को भेदना अक्सर कठिन होता है।

शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने नीति के समर्थन के संबंध में रोगी हिमायतियों के सामने आने वाली कई चुनौतियों की पहचान की, और यह सुनिश्चित करने पर लक्षित समाधानों पर चर्चा की कि निर्णयकर्ता स्तन कैंसर के साथ जीवन बिताने वाले लोगों की जरूरतों को एक प्रणालीगत दृष्टिकोण से सुनें और संबोधित करें।

**स्तन कैंसर पर नीति के स्पॉटलाइट का निर्माण करना।** स्तन कैंसर उन नीति निर्धारकों के सामने उठाए जाने वाले मुख्य मुद्दों में से एक है जो अपने निर्वाचकों के बीच असमान जरूरतों को संतुलित कर रहे हैं। शिखर सम्मेलन के सहभागी सहमत थे कि समाधानों के लिए काम करने के लिए नीतिनिर्माताओं को स्तन कैंसर वाले लोगों के लिए संभावना की व्यापकता और उसमें सुधार करने के अवसरों की जानकारी देने की जरूरत है। उन्होंने नीति के समर्थन में अपने विविधतापूर्ण अनुभवों का आदान-प्रदान किया, और नीतिनिर्माताओं का ध्यान स्तन कैंसर की ओर खींचने के विचारों पर एकमत बनाया:

- नीतिनिर्माताओं को समर्थकों की एकता और विस्तार दिखाने के लिए साझा हितों वाली कई आवाजों को जोड़ने के लिए समर्थकों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के गठबंधनों का निर्माण करना;
- नीतिनिर्माताओं की उनकी जरूरतों को समझने में मदद करने के लिए शैक्षणिक पहलें विकसित करना, जिसमें रोगियों की कहानियों को साझा करना शामिल है;
- नीति में परिवर्तन की जरूरतों को पहचानने के लिए आंकड़े एकत्र करना;
- स्तन कैंसर पर अनुसंधान के लिए सरकार से धन की सहायता के लिए हिमायत करना; और
- अन्य रोग अवस्थाओं या भौगोलिक स्थानों से साथी रोगी सहायता संगठनों के अनुभवों से सीखना।

“

**संस्कृतियों, स्वास्थ्य प्रणालियों और संसाधनों में अंतरों के बावजूद, हम सब एक जैसा काम करते हैं जो निर्णयकर्ताओं के सामने बोलता है और उनके द्वारा सुना जाता है ताकि स्तन कैंसर के रोगियों की जरूरतों को संबोधित किया जा सके।”**

— स्टेसी लेविस  
यंग सर्वाइवल कोएलिशन

“

**तो तब हमने हमारे कानूनों पर कुछ प्रभाव डालने के लिए आंकड़े उत्पन्न करने के महत्व को समझा, ताकि हमारा काम सचमुच आगे बढ़े और हमारे देश में अंतर पैदा कर सके।”**

— बेर्था ऐग्विलार  
Médicos e Investigadores en la Lucha contra el Cáncer de Mama (MILC)



**नीति की हिमायत का लक्षित प्रशिक्षण:** स्तन कैंसर के हिमायती का काम सीधा-सादा नहीं है। रोगियों को शिक्षित करने और स्तन कैंसर से प्रभावित लोगों का समर्थन करने से लेकर अनुसंधान के लिए और उसका समर्थन करने के लिए धन जमा करने, नीति की कारगर हिमायत में संलग्न होने तक, हिमायतियों को कई कौशलों की जरूरत पड़ती है। इसके कारण प्रशिक्षण शिखर सम्मेलन के सहभागियों के द्वारा पहचानी गई एक मुख्य प्राथमिकता बन जाता है। नीति की हिमायत के प्रशिक्षण के लिए विचारों में शामिल थे:

- परिवर्तन की जरूरत और अनुशंसित समाधानों के बारे में नीतिनिर्माताओं, मीडिया और मूलभूत संगठनों के साथ कारगर ढंग से संवाद करना;
- सीखना कि नीति के निर्माण के लिए सर्वेक्षण का आयोजन या अन्यथा प्रासंगिक प्रमाण उत्पन्न कैसे करते हैं और उन आंकड़ों को कैसे कारगर ढंग से सूचित करते हैं;
- नीति से संबंधित विशिष्ट विचार साझा करना जैसे देखभाल तक सस्ती पहुँच में सुधार करना या टेलीमेडिसिन के उपयोग को बढ़ाना; और
- अन्य रोग अवस्थाओं या भौगोलिक स्थानों से साथी रोगी सहायता संगठनों के अनुभवों को साझा करना।

“

**मेज पर होने का मतलब बस दृढ़ता, दृढ़ता, दृढ़ता से है। मैं हमेशा ऐसे स्थानों में जगह पाने की कोशिश करती थी जहाँ निर्णय लिए जाने वाले होते थे।”**

— रंजीत कौर प्रीतम सिंह  
ब्रेस्ट कैंसर वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ मलेशिया





शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने नीति की हिमायत के लिए निम्नलिखित कार्यवाही-योग्य समाधानों पर गहन विचार किया:

## नीति की हिमायत

- > स्तन कैंसर पर अनुसंधान के लिए सरकारी सहायता के लिए हिमायत करना।
- > यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ सहयोग को मजबूत बनाना कि रोगियों को नीति के निर्णय लेने में शामिल किया जाता है।
- > सरकार के पास स्तन कैंसर की देखभाल को बेहतर बनाने के लिए हिमायत करने के लिए हिमायती संगठनों और स्वतंत्र संस्थाओं के साथ सहयोग करना।
- > नीति की हिमायत के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के बारे में हिमायती प्रशिक्षण का समर्थन करना।
- > आंकड़ों के संग्रह और विश्लेषण को बेहतर बनाने के लिए कैंसर रजिस्ट्रियों जैसी आंकड़ा अवसंरचना में निवेश करना।
- > नीतियों में परिवर्तनों के लिए हिमायत करने के लिए रोगियों की कहानियों का उपयोग करना।
- > रोगियों और रोगियों के हिमायतियों को नीति-निर्माताओं के साथ संवाद करने में प्रशिक्षित करना।
- > जरूरी देखभाल की प्राप्ति को प्रभावित करने वाले नीति के मुद्दों के बारे में संवाद करना।
- > नीति की हिमायत की गतिविधियों के लिए अनुदान सहायता की माँग करना।
- > ऐसी नीति के समर्थन के लिए स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ काम करना जो स्तन कैंसर की देखभाल को बेहतर बना सकते हैं।
- > रोगियों और समर्थकों को स्तन कैंसर के अनुसंधान के लिए सरकारी अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया में एकीकृत करना।
- > हिमायती संगठनों के लिए एक सुलभ मंच प्रदान कराना ताकि वे एक दूसरे से सीख सकें और नीति की हिमायत से संबंधित सर्वोत्तम परिपाटियों (जैसे, सांस्कृतिक अनुकूलन) को साझा कर सकें।
- > उन नीतियों के लिए हिमायत करना जो रोगियों को स्तन कैंसर के साथ जीने के अपने अनुभवों को विनियामक अधिकारियों के साथ साझा करने में सक्षम करती हैं।
- > अधिक शक्तिशाली सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए हिमायत करना क्योंकि ये वे स्थान हैं जहाँ अधिकारहीन और आर्थिक रूप से कमज़ोर रोगी मदद के लिए अक्सर जाते हैं।
- > राष्ट्रीय कैंसर योजनाओं में बेहतर समानता के लिए हिमायत करना।
- > स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं (जैसे, डॉक्टर, नर्स आदि) को रोगियों की ओर से हिमायत करने के लिए प्रेरित करना, खास तौर पर उन देशों में जहाँ समुदाय के भीतर रोगियों की आवाज़ नहीं सुनी जाती है।

# चर्चा का सारांश

## रोगी सहायता

आज, स्तन कैंसर के रोगी पहले कभी से भी अधिक सशक्त हैं। कई लोग जानकारी और सहायता की माँग करते हैं, और अपने उपचार के नियोजन में सक्रिय भूमिकाएं निभा रहे हैं, और ऐसा मुख्य तौर पर हिमायती समुदाय द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों के कारण संभव हुआ है। लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए और काम करने की जरूरत है कि विश्व भर के समुदायों के स्तन कैंसर रोगी वह सहायता और देखभाल प्राप्त करें जिसकी उन्हें जरूरत है और अपने स्वास्थ्य के बारे में बोलने में सशक्त महसूस करें। शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने रोगी सहायता कार्यक्रमों के विषय पर चर्चा की, और इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि रोगियों के लिए और भी बड़ा प्रभाव बनाने के लिए वे कैसे विकसित होना जारी रख सकते हैं।

**समग्र रोगी देखभाल:** जबकि स्तन कैंसर के प्रबंधन को उन्नत बनाने के लिए प्रयास किए गए हैं, जिसमें स्तन कैंसर की जीवविज्ञान के बारे में जानकारी में वृद्धि और शल्यचिकित्सीय और चिकित्सीय उपचारों में सुधार शामिल हैं, क्लिनिक के बाहर संपूर्ण रोगी देखभाल में सुधार में काफी कसर बाकी है। देखभाल के सातत्यक के साथ-साथ रोगी देखभाल और सहायता को उन्नत करने पर चर्चा की गई - खास तौर पर इस बात पर कि ऐसे सर्वांगीण और विस्तृत वार्तालाप कैसे किए जाएं जो रोगियों को उनकी देखभाल के दौरान पूरी तरह से भाग लेने की शक्ति देते हैं। प्रस्तावित समाधानों में शामिल हैं:

- निदान, उपचार विकल्पों, दुष्प्रभावों के प्रबंधन और प्रशामक देखभाल पर केंद्रित रोगी शिक्षा सामग्री बनाना या उसका प्रचार करना;
- रोगियों को जानकारी प्रदान करने के लिए स्तन कैंसर नर्सों या नेविगेटरों की भूमिका को विस्तृत करना, जैसे चिकित्सीय शब्दों को स्पष्ट करना, आर्थिक जानकारी प्रदान करना और भावनात्मक समर्थन की पेशकश करना;
- अपने जीवन में अन्य मुद्दों का प्रबंधन करने में रोगियों की मदद करने के लिए साधनों का निर्माण करना, जिसमें काम और परिवार को संतुलित करना, सहरुग्णताएं या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें शामिल हैं;
- ऐसे रोगियों को शिक्षा प्रदान करना जिन्हें प्रौद्योगिकी का ज्ञान नहीं है ताकि वे ऑनलाइन शैक्षणिक और टेलीमेडिसिन संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकें;
- रोगियों को कैंसर उपचारों के उनके दैनिक जीवन पर संभावित प्रभाव (जैसे खाद्य पदार्थों से परहेज करना) के बारे में शिक्षित करना; और
- परिवार और मित्रों के लिए ऐसे अभियान बनाना या उनका प्रचार करना जो यह शिक्षित करने में मदद करते हैं कि स्तन कैंसर वाले किसी व्यक्ति के साथ कौन सी बात नहीं करनी चाहिए।

“

**हम सब रोगी सशक्तिकरण, जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करते हैं और रोगियों के जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं - यह हमारा मिशन है।”**

-- क्लॉडिया आल्टमैन-पॉस्पिसचेक  
यूरोपा डोना क्लॉडिया की कैंसर को चुनौती

“

**स्तन कैंसर का निदान एक बवंडर जैसा हो सकता है, और उन लोगों के लिए प्राप्त होने वाली सारी जानकारी को समझना कठिन हो सकता है जो सुन रहे होते हैं कि उन्हें वह बीमारी है। अपाइंटमेंट के दौरान आपके साथ किसी साथी, मित्र या परिवार के सदस्य का होना अत्यंत उपयोगी हो सकता है।”**

-- लिब्बी बर्गस  
ब्रेस्ट कैंसर एओटीओरोआ कोएलीशन

**अनुकूलित सहायता:** स्तन कैंसर समुदाय जानता है कि स्तन कैंसर की देखभाल के लिए कोई एक तरीका नहीं है जो सबके लिए उपयोगी हो सकता है। रोगियों और उनकी देखभाल करने वाली टीम के बीच संवाद को प्रत्येक रोगी की विशिष्ट जरूरतों को ध्यान में रखना होता है, जिसमें स्तन कैंसर के बारे में उनके अद्वितीय रवैये, अनुभव और लक्ष्य शामिल हैं। चर्चित अनुशांसाओं में शामिल हैं:

- ऐसे वैयक्तिकृत रोगी सहायता साधन प्रदान करना जो इस बात को संबोधित करते हैं कि वे जानकारी प्राप्त करने के लिए क्या, कब और कैसे चाहते हैं;
- नई सामग्री बनाना या मौजूदा सामग्री का प्रचार करना, जिसमें निम्न साक्षरता वाले लोगों की मदद करने के लिए रोगी सहायता सामग्री में तस्वीरों (जैसे, चित्र, वीडियो) का उपयोग शामिल है;
- विभिन्न उम्रों (देखभाल प्रदाताओं के रूप में काम करने वाले वयस्क बच्चों सहित), जातीयताओं और संस्कृतियों के रोगियों और उनकी देखभाल टीम की ओर लक्षित सामग्री का निर्माण करना;
- देश-विशिष्ट अधिकारों और कानूनों से संबंधित और स्थानीय स्वास्थ्य प्रणाली को नेविगेट करने के तरीके के बारे में शैक्षणिक सामग्री प्रदान करना;
- गरीबी और/या खाद्य असुरक्षा का अनुभव करने वाले रोगियों की सहायता करने के विषय में विशेषज्ञों द्वारा सुगम किए गए वर्कशॉप आयोजित करना;
- अपने डॉक्टर की भाषा से अलग भाषा बोलने वाले रोगियों को अनुवाद सेवाएं उपलब्ध कराना;
- स्तन कैंसर की समय-पूर्व पहचान के अभियानों के लिए दिशानिर्देशों का सेट बनाना/भाषा का मानकीकरण करना; और
- रोगियों के लिए स्थानीय रूप से मातृभाषा समर्थन समूहों का निर्माण करना।

“

**हमें रोगियों से उनके स्थान में मिलने और प्रौद्योगिकी, भाषा और रोग के ज्ञान के बारे में उनकी सहजता के स्तर को निर्धारित करने की जरूरत है।”**

— रेनेट हैडिंगर  
जर्मन ब्रेस्ट कैंसर एसोसिएशन



**स्वास्थ्य देखभाल टीम के साथ संवाद करना:** स्वास्थ्य देखभाल टीम (डॉक्टरों और नर्सों के सहित) रोगी देखभाल में असली परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। स्वास्थ्य देखभाल टीमों, खास तौर पर नर्सों और रोगियों के बीच उपचार विकल्पों और आवश्यक सहायता के बारे में अधिक खुले और सहसक्रिय संवाद की जरूरत है। विशिष्ट रूप से, शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने निम्नलिखित की जरूरत की पहचान की:

- नैदानिक परीक्षणों के बारे में रोगियों और जनता को शिक्षित करने के लिए रोगियों, रोगी सहायता संगठनों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बहुविषयक समूह(हों) का गठन करना;
- डॉक्टरों और नर्सों को इस बारे में प्रशिक्षित करना कि सांस्कृतिक और जातीय अंतरों के प्रति संवेदनशील बने रहते हुए, रोगियों के साथ एक आशाजनक किंतु ईमानदारीपूर्ण और स्पष्ट लहजे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की खबरें कैसे साझा करते हैं;
- स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, खास तौर पर नर्सों को रोगियों के साथ साधारण भाषा में चिकित्सीय शब्दावली की चर्चा करने के बारे में प्रशिक्षित करना;
- डॉक्टरों और नर्सों को मौजूदा सामग्री वितरित करने के लिए अस्पतालों और सामुदायिक कैंसर केंद्रों के साथ संवाद चैनल बनाना;
- रोगियों की मदद करने के लिए संसाधन (जैसे, फोन ऐप्स, चर्चा मार्गदर्शिकाएं, आदि) प्रदान करना ताकि वे अपनी स्वास्थ्य देखभाल टीमों से पूछने के लिए प्रश्नों की पहचान कर सकें, अपाइंटमेंटों के दौरान नोट्स ले सकें और अपाइंटमेंटों के बाद अनुवर्ती प्रश्नों को ट्रैक करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके;
- रोगियों को डॉक्टर के अपाइंटमेंटों के समय अपने साथ किसी को लाने के लिए प्रोत्साहित करना;
- संवाद के लिए सर्वोत्तम परिपाटियाँ सूचित करने के लिए रोगियों के साथ फोकस समूहों और सर्वेक्षणों का आयोजन करना;
- स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं (जैसे, डॉक्टर, नर्स आदि) को रोगियों की ओर से हिमायत करने के लिए प्रेरित करना, खास तौर पर उन देशों में जहाँ समुदाय के भीतर रोगियों की आवाज़ नहीं सुनी जाती है; और
- रोगियों को अपने खुद के हिमायती बनने, तथा डॉक्टरों और नर्सों को अपनी इच्छाएं सूचित करने के लिए बोलने की शक्ति देने के लिए कार्यक्रम विकसित करना।

“

**स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को अपने रोगियों के साथ**

**वार्तालाप करके पता लगाना**

**चाहिए कि वे अपने जीवन में कहाँ हैं, वे क्या करना चाहते हैं और उनको स्तन कैंसर का पता लगने से पहले वे क्या कर रहे थे।”**

-- रंजीत कौर प्रीतम सिंह  
ब्रेस्ट कैंसर वेलफेयर एसोसिएशन  
ऑफ मलेशिया



शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने रोगी सहायता के लिए निम्नलिखित कार्यवाही-योग्य समाधानों पर गहन विचार किया:

## रोगी सहायता

- > रोगियों को जानकारी प्रदान करने, चिकित्सीय शब्दावली समझाने और भावनात्मक सहायता की पेशकश करने के लिए स्तन कैंसर नर्सों या नेविगेटरों की भूमिका का विस्तार करना।
- > उन स्थानों में स्तन कैंसर नेविगेटरों या नर्सों की नियुक्ति को प्रोत्साहित करना जहाँ यह सहायता पहले से प्रदान नहीं की जा रही है।
- > ऐसे वैयक्तिकृत रोगी सहायता साधन प्रदान करना जो इस बात को संबोधित करते हैं कि वे कौन सी जानकारी को कब और कैसे प्राप्त करना चाहते हैं।
- > रोगियों के द्वारा अपने अपाइंटमेंट से बाहर आने के बाद अनुवर्ती प्रश्नों को ट्रैक करने के लिए साधनों का निर्माण करना।
- > अपने जीवन में अन्य मुद्दों को प्रबंधित करने में रोगियों की मदद करने के लिए साधनों का निर्माण करना, जिसमें सहरुग्णताएं और मानसिक स्वास्थ्य अवस्थाएं शामिल हैं।
- > स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को इस बारे में प्रशिक्षित करना कि रोगियों के साथ आशाजनक किंतु ईमानदारीपूर्ण और स्पष्ट लहजे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की खबर कैसे साझा करते हैं।
- > स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को इस बारे में प्रशिक्षित करना कि रोगियों के साथ साधारण भाषा में चिकित्सीय शब्दावली की चर्चा कैसे करते हैं।
- > ऐसे संसाधन प्रदान करना जो रोगियों को अपाइंटमेंटों से पहले प्रश्न लिखने और अपाइंटमेंटों के दौरान नोट्स लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- > स्तन कैंसर के प्रत्येक चरण और प्रकार के लिए संसाधनों को अनुकूलित करना।
- > टेलीमेडिसिन को बेहतर बनाना ताकि रोगी उसे आसानी से एक्सेस करने और उसका लाभ उठाने में सक्षम बन सकें।
- > स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, रोगियों और देखभालप्रदाताओं के बीच संवाद को बेहतर बनाने के लिए मोबाइल फोन या ऐप्स के उपयोग को प्रोत्साहित करना।
- > उम्र, रोग के चरण या संस्कृति के अनुसार सहित समान परिस्थितियों वाले रोगियों के लिए समकक्ष-से-समकक्ष सहायता समूहों की स्थापित करना।
- > रोगी शैक्षणिक साधनों को एकाधिक भाषाओं में अनुवाद करना।
- > प्रशामक देखभाल के बारे में शैक्षणिक संसाधनों का निर्माण करना।
- > ऐसे वयस्क बच्चों की ओर लक्षित सामग्री का निर्माण करना जो स्तन कैंसर वाले अपने माता/पिता के लिए देखभाल प्रदाताओं के रूप में काम करते हैं।

- > देश-विशिष्ट अधिकारों और कानूनों से संबंधित और स्थानीय स्वास्थ्य प्रणाली को नेविगेट करने के तरीके के बारे में शैक्षणिक सामग्री प्रदान करना;
- > समानताओं के आधार पर स्तन कैंसर नर्सों या नेविगेटरों को आबंटित करना, जिसमें संस्कृति, भाषा या निदान शामिल है।
- > इस बारे में एक वर्कशॉप आयोजित करना कि गरीबी और/या खाद्य असुरक्षा का अनुभव करने वाले रोगियों की सहायता कैसे करते हैं।
- > अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं की भाषा से अलग भाषा बोलने वाले रोगियों को अनुवाद सेवाएं उपलब्ध कराना।
- > रोगियों को डॉक्टर के अपाइंटमेंटों के समय अपने साथ किसी को लाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- > निम्न-साक्षरता स्तरों वाले लोगों की मदद करने के लिए रोगी सहायता सामग्री में चित्रों का उपयोग करना।
- > अधिकारहीन आबादियों के लिए स्वास्थ्य समानता के बारे में शिक्षित करने वाली नई सामग्री का निर्माण करना या मौजूदा सामग्री को अपडेट और प्रचार करना।
- > स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को इस बारे में प्रशिक्षित करना कि सांस्कृतिक अंतर देखभाल और सहायता को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।
- > स्तन कैंसर के विभिन्न चरणों वाले रोगियों के साथ संवाद करने के बीच अंतरों के बारे में प्रशिक्षित करना।
- > कारगर डॉक्टर/रोगी संवाद का चित्रण करने के लिए चिकित्सकों और असली रोगियों के आपस में बात करते हुए वीडियो बनाना।
- > स्तन कैंसर के निदान के बाद उपचार से परे दैनिक जीवन को संबोधित करने वाले संसाधन प्रदान करना।
- > संवाद के लिए सर्वोत्तम परिपाटियाँ सूचित करने के लिए रोगियों के साथ फोकस समूहों और सर्वेक्षणों का आयोजन करना।
- > शैक्षणिक सामग्री वितरित करने के लिए अस्पतालों और सामुदायिक केंद्रों के साथ संवाद चैनल बनाना।
- > क्लिनिक के बाहर रोगियों तक पहुँचने के लिए ऐसे स्थानों में शैक्षणिक सामग्री और सहायता प्रदान करना जहाँ विविध समुदाय आम तौर पर एकत्र होते हैं।
- > रोगियों को प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के तरीके प्रदान करना ताकि वे शैक्षणिक और टेलीमेडिसिन संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकें।

- > कैंसर विशेषज्ञों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच जारी दो-तरफा संवाद का समर्थन करना।
- > रोगियों को अपना खुद का हिमायती बनने, बोलने और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को अपनी इच्छाएं बताने के लिए सशक्त बनाना।
- > निर्णय लेने में मदद करने के लिए उपचार के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में समझने में आसान जानकारी प्रदान करना।
- > स्तन कैंसर की समय-पूर्व पहचान के अभियानों के लिए दिशानिर्देशों का सेट बनाना/भाषा का मानकीकरण करना।
- > परिवार और मित्रों के लिए ऐसे संसाधनों का प्रसार करना जो इस बारे में शिक्षित करने में मदद करते हैं कि स्तन कैंसर वाले किसी व्यक्ति के साथ क्या नहीं कहना और क्या कहना चाहिए।
- > स्तन कैंसर से निदान किए गए लोगों को शिक्षित करना कि उन्हें अपने डॉक्टरों से मिलना जारी रखना और उपचार के बाद अपने स्वास्थ्य के बारे में सहसक्रिय बनना चाहिए।
- > रोगियों को आर्थिक सहायता की जानकारी और संसाधन प्रदान करना।
- > रोगियों को घर के करीब रहने में सक्षम करने के लिए अधिक सामुदायिक क्लिनिकों और अस्पतालों में बहुविषयक टीम द्वारा उपचार प्रदान करना।
- > जिन लोगों को उपचार केंद्रों तक पहुँचने में कठिनाई है उन्हें परिवहन प्रदान करना।
- > रोगियों के लिए स्थानीय स्तर पर मातृभाषा समर्थन समूहों का निर्माण करना।
- > लक्षित कार्यक्रम बनाने के लिए रोगियों की जरूरतों पर आंकड़े एकत्र करना।
- > रोगियों को कैंसर उपचारों के उनके दैनिक जीवन पर संभावित प्रभाव (जैसे खाद्य पदार्थों से परहेज करना) के बारे में शिक्षित करना।



## COVID-19 और स्तन कैंसर

2020 में, दुनिया पर वैश्विक COVID-19 महामारी का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा। शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने COVID-19 स्तन कैंसर समुदाय के लिए कितना विदारक रहा है इस विषय पर और स्तन कैंसर वाले लोगों की जरूरतों को संबोधित करने के लिए सार्थक समाधानों पर चर्चा की।

वायरस के संपर्क में आने के डर ने कैंसर का उपचार न लेने पर मजबूर किया और कैंसर के लिए जाँचों में बहुत कमी आई, जिससे कैंसर अनुपचारित रह गए और/या संभावित रूप से उनका निदान नहीं हो पाया। इसके अलावा, स्तन कैंसर के साथ जीने वाले लोगों ने संगरोध द्वारा उत्पन्न अकेलेपन और पृथक्करण की भावनाओं में वृद्धि की रिपोर्ट की।

यह कहना कि स्तन कैंसर के साथ जीने वाले लोगों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण समय है कम बयानी है। इसके साथ ही, इसने स्तन कैंसर समुदाय के लचीलेपन को प्रकट किया क्योंकि उसने रोगियों की देखभाल और समर्थन करना जारी रखने के लिए अनुकूलित होने के तरीके खोजे। शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने इस महामारी के शेष भाग का सामना करने और भविष्य में स्तन कैंसर की देखभाल को सुधारने के उद्देश्य से समाधानों और महामारी द्वारा प्रदान किए गए अवसरों पर चर्चा की।

**संवाद में वृद्धि करना:** COVID-19 ने न केवल स्तन कैंसर के रोगियों के लिए उपचार प्राप्त करने में बाधाएं उत्पन्न की हैं, बल्कि इसने उन्हें अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं और प्रियजनों से अलग भी किया है। रोगी चाहे कहीं भी स्थित हों, पहले कभी से भी अधिक कारगर और सामाजिक संवादों की जरूरत है। शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित तरीकों पर चर्चा की:

- रोगियों को उन सहसक्रिय उपायों के बारे में बताना जिन्हें वे COVID-19 के प्रसार की रोकथाम करने के लिए कर सकते हैं;
- प्रशिक्षित थेरेपिस्टों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के साथ रोगियों के लिए आवर्ती आभासी सहायता समूहों का आयोजन करना।
- महामारी के दौरान जब रोगी अपने प्रियजनों के साथ नहीं हो सकते हैं तो उन्हें आपस में जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना।
- रोगियों के लिए एक अधिक सुलभ डिजिटल इंटरफेस का समर्थन करके टेलीमेडिसिन को बेहतर बनाना।

“

**कैंसर के रोगियों को अलग नहीं छोड़ना चाहिए,**

**और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें महामारी के बावजूद अपने लिए जरूरी उपचार मिल रहा है।”**

-- रंजीत कौर प्रीतम सिंह  
ब्रेस्ट कैंसर वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ  
मलेशिया

“

**COVID-19 से हमने एक सीख प्राप्त की है कि रोगियों और चिकित्सकों के बीच संवाद को सुधारने के लिए हम टेलीमेडिसिन का उपयोग कर सकते हैं।”**

-- काँची बियुररन  
Federación Española de Cáncer  
de Mama (FECMA)





शिखर सम्मेलन के सहभागियों ने COVID-19 के लिए निम्नलिखित कार्यवाही-योग्य समाधानों पर गहन विचार किया:

## COVID-19 और स्तन कैंसर

- > कैंसर के रोगियों और उनके देखभाल प्रदाताओं के लिए वरीयताप्राप्त COVID-19 रैपिड टेस्टिंग की हिमायत करना।
- > रोगियों के लिए एक अधिक सुलभ डिजिटल इंटरफेस का समर्थन करके टेलीमेडिसिन को बेहतर बनाना।
- > अस्पतालों को रोगियों को उन सहसक्रिय उपायों के बारे में बताना चाहिए जिन्हें वे COVID-19 के प्रसार की रोकथाम करने के लिए कर सकते हैं।
- > लक्षण नियंत्रण और प्रशामक उपचारों को एक्सेस करने के महत्व पर जोर देना।
- > रोगी संगठनों के साथ सहयोग करके प्रशिक्षित थेरेपिस्टों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के साथ रोगियों के लिए आवर्ती आभासी सहायता समूहों का आयोजन करना।
- > जब अपनी समूची देखभाल के दौरान रोगी अपने प्रियजनों के साथ नहीं रह सकते हैं जब उन्हें आपस में जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी साझेदारियों का लाभ उठाना।
- > महामारी के कारण उत्पन्न नीतिगत अवसरों की एक सूची बनाना, जैसे टेलीमेडिसिन नीति में स्थायी परिवर्तन करना, और उनके लिए हिमायत करना।



# कार्यवाही करने के लिए एक वैश्विक आह्वान

वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन से एक बात तो स्पष्ट हो गई है, और वह यह है कि स्तन कैंसर के साथ जीने वाले लोगों के लिए सच्चा प्रभाव बनाने के लिए अनेकों हितधारकों की जरूरत होगी, जिनमें एक साझा स्वप्न के लिए काम करने वाले रोगी सहायता संगठन, स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता और नीतिनिर्माता शामिल हैं।

हालांकि स्तन कैंसर के साथ जीने वाले लोगों की देखभाल को बेहतर बनाने के लिए आज तक काफी काम किया गया है, हम जानते हैं कि वैश्विक स्तर पर असमानताएं और अद्वितीय चुनौतियाँ अभी भी मौजूद

हैं और इन महत्वपूर्ण जरूरतों को संबोधित करने के लिए अधिक काम किया जा सकता है। उन लोगों के लिए अधिक मेहनत करना, समस्याओं को हल करना, सुधार करना और नवाचार करना, जिन्हें उनकी सबसे अधिक जरूरत है, हम सब - रोगी हिमायतियों, जैवऔषधिनिर्माता उद्योग, शिक्षाविदों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं - की साझा जिम्मेदारी है।

वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन में किए गए महत्वपूर्ण वार्तालापों को यहाँ समाप्त नहीं होना चाहिए। हमें आशा है कि रोगियों की विभिन्न जरूरतों, जिन पर चर्चा की गई है, स्तन कैंसर की देखभाल को वैश्विक रूप से बेहतर बनाने के लिए भविष्य के वार्तालापों और कार्यों को प्रेरित करती रहेंगी। फ़ाइज़र शिखर सम्मेलन के दौरान उत्पन्न विचारों के आधार पर कार्यक्रमों को शुरू और समर्थित करेगा, और हमें आशा है कि ये विचार वैश्विक स्तन कैंसर समुदाय में परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक का काम करेंगे।

अब समय है देखभाल को आगे बढ़ाने वाली नीतियों को सुधारने, चिकित्सकों और कैंसर से ग्रस्त लोगों के बीच बेहतर संवाद शुरू करने और ऐसे समावेशी वैज्ञानिक कार्यक्रमों की रचना करने का जो स्तन कैंसर से ग्रस्त सभी लोगों को लाभान्वित करने वाले उपचारों में सुधार करते हैं।

**उन लोगों के लिए** अधिक मेहनत करना, समस्याओं को हल करना, सुधार करना और नवाचार करना जारी रखना, जिन्हें उनकी सबसे अधिक जरूरत है, हम सब की साझा जिम्मेदारी है।



# धन्यवाद

फ़ाइज़र नियोजन समिति में मौजूद रोगी हिमायत विशेषज्ञों को धन्यवाद देता है जिन्होंने एजेंडा को तैयार किया और वैश्विक स्तन कैंसर प्रभाव शिखर सम्मेलन को सारी दुनिया के हिमायतियों के साथ एक सार्थक चर्चा बनाने के लिए अथक मेहनत की है। अलग-अलग समय क्षेत्रों में, एकाधिक भाषाओं में और आभासी परिवेश में काम करते हुए समिति ने अपनी सृजनशीलता, नेतृत्व और विशेषज्ञता को इस बैठक में प्रस्तुत किया है।

हम उनके दृष्टिकोणों और साझेदारी के लिए कृतज्ञ हैं। उनके मार्गदर्शन, निर्देश, समीक्षा और सहायता के बिना, शिखर सम्मेलन संभव नहीं हो सकता था:

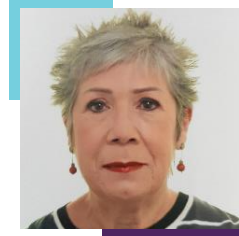


बेर्था ऐग्विलार

Médicos e Investigadores en la Lucha contra el Cáncer de Mama (MILC)

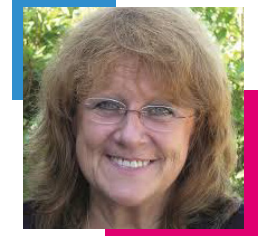


क्लॉडिया आल्टमैन-पोस्पिसचेक  
यूरोपा डीना क्लॉडिया की कैंसर को  
चुनौती



काँची बियुररन

Federación Española de  
Cáncer de Mama (FECMA)



रेनेट हैडिंगर

जर्मन ब्रेस्ट कैंसर एसोसिएशन



रंजीत कौर प्रीतम सिंह

ब्रेस्ट कैंसर वेल्फेयर एसोसिएशन  
ऑफ मलेशिया



स्टेसी लेविस

यंग सर्वाइवल कोएलिशन



शर्ले मर्टज़

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर अलायंस



कैथरीन उबाएसी

Patients en Réseau

हम 24 देशों के 34 वैश्विक हिमायत नेताओं को भी धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने शिखर सम्मेलन में भाग लिया। उनके विचार और अंतर्दृष्टियाँ हमें विश्व भर के स्तन कैंसर रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमें हमेशा प्रेरित करती हैं। एक वैश्विक समुदाय के रूप में साथ मिलकर हम सारी दुनिया में स्तन कैंसर से पीड़ित लोगों के जीवन को बदलने के लिए अथाह प्रभाव बनाने के लिए काम कर सकते हैं।

डिडेम ऐडिन

वैश्विक मेडिकल निदेशक,  
फ़ाइज़र

कौरोलीन  
ग्वेनज़ेल

वैश्विक मेडिकल निदेशक,  
फ़ाइज़र

पैटी जुएल

वरिष्ठ निदेशक,  
रोगी समर्थन, फ़ाइज़र

मैरिसा फेह्ल

निदेशक, ऑकोलॉजी  
कम्यूनिकेशंस, फ़ाइज़र

लूसी मा

निदेशक, ऑकोलॉजी  
पब्लिक अफेयर्स, फ़ाइज़र

हमारे इंटरैक्टिव कार्यवाही-योग्य समाधानों की सूची देखने के लिए यहाँ क्लिक करें >>